Dainik Bhaskar (Indore), 20th June 2026, Page - 05

आईआईटी ने फ्रांस में दिखाई डीप टेक और इनोवेशन की ताकत

पीएम मोदी व फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रॉन ने किया उद्घाटन

भास्कर संवाददाता | इंदौर

भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष के तहत 14 से 16 जून तक फ्रांस के नीस शहर में भारत इनोवेट्स 2026 सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस वैश्विक मंच पर आईआईटी इंदौर ने देश के मजबूत नवाचार और अनुसंधान ईको सिस्टम का प्रतिनिधित्व किया। तीन दिवसीय इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन का संयुक्त उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने किया।

सम्मेलन में दुनियाभर के प्रमुख डीप-टेक स्टार्टअप्स, शैक्षणिक संस्थान, निवेशक और नीति निर्माता शामिल हुए। आईआईटी इंदौर की टीम ने अत्याधुनिक तकनीकों और सामाजिक व औद्योगिक चुनौतियों को सुलझाने वाले नवाचार आधारित समाधानों का प्रदर्शन किया। निदेशक प्रो. सुहास जोशी के साथ डीन (रिसर्च एंड डेवलपमेंट) प्रो. अभिरूप दत्ता, प्रियंका किम्मतकर और आईआईटीआई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन की प्रतिनिधि सीए सलोनी महेश्वरी भी शामिल थे। उन्होंने वैश्विक स्तर के शिक्षाविदों, निवेशकों और इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स के साथ अहम चर्चाएं की।

सम्मेलन में आईआईटी इंदौर की अहम भूमिका

हेल्थकेयर और मेडटेक में लीडरशिप : आईआईटीआई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन ने इन डोमेन के समन्वयक के रूप में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

स्टार्टअप्स को समर्थन : राष्ट्रीय बेसकैंप के जरिये स्टार्टअप्स की पहचान, मेंटरशिप और मूल्यांकन में अग्रणी भूमिका निभाई।

टेक्नोलॉजी ट्रांसफर : इस मंच से डीप-टेक नवाचारों के व्यावसायीकरण और नई अकादमिक-इंडस्ट्री पार्टनरशिप के रास्ते खुले हैं।

ऐसे मंच सशक्त बनाते हैं

▶ भारत इनोवेट्स 2026 ग्लोबल लीडर के तौर पर भारत की बढ़ती साख का सबूत है। हमें ऐसी तकनीक प्रदर्शित करने पर गर्व है, जिनमें समाज और इंडस्ट्री पर सार्थक प्रभा व डालने की क्षमता है। ऐसे मंच ग्लोबल ईको सिस्टम में भारत को सशक्त बनाते हैं।

– **प्रो. सुहास जोशी,** डायरेक्टर, आईआईटी इंदौर